भारतीय इस्पात प्राधिकरण (सेल) में भ्रष्टाचार और कदाचार

4549. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड में व्यापक भ्रष्टाचार और कदाचार के कारण माल की बुकिंग के समय सुरक्षा राशि जमा कराने से विमुक्ति तथा ऋण सुविधायें केवल बड़े उद्योगों को ही उपलब्ध कराई जाती है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) लघु उद्योगों को उपरोक्त सुविधायें उपलब्ध कराने के लिये क्या प्रयास किये गये हैं ; और

(घ) क्या लघु उद्योगों को अब तक उपरोक्त सुविधाओं से वंचित रखा गया है यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

इस्पात मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) और (ख) दिनांक 16-1-92 से लोहा और इस्पात के वितरण तथा मूल्य पर से नियंत्रण हटा लेने के बाद आर्थिक उदारीकरण तथा सीमाशुल्क में कटौती से घरेलू स्रोतों और आयात दोनों दृष्टिकोण से देश में इस्पात की उपलब्धता सुगम हुई है । बाजार स्थिति तथा प्रतिस्पर्द्धात्मक बाजार में इस्पात के उपभोक्ताओं को उपलब्ध वाणिज्यिक सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये 'सेल' ने भी वर्तमान मार्ग दर्शनों के अनुसार उधार मात्रा से संबद्ध छूट आदि जैसी कतिपय वाणिज्यिक सुविधायें देनी शुरू की हैं ।

(ग) से (घ) 'सेल' के सभी उपभोक्ताओं को ऐसी वाणिज्यिक सुविधायें दी जाती हैं । इनमें ऐसे लघु उद्योग भी शामिल हैं जिनका रिकार्ड अच्छा है तथा वित्तीय स्थिति सुदृढ़ है।

इस्पात के मूल्यों में परिवर्तन

4560. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इस्पात के मूल्यों में प्रत्येक माह परिवर्तन होने के कारण इस्पात पर आधारित लघु उद्योगों को अत्यधिक कठिनाई हो रही है ;

(ख) यदि हां, तो गत दो वर्षों के दौरान इस्पात का माह-वार मूल्य कितना था ;

(ग) मूल परिवर्तन के लिये कौन से कारक उत्तरदायी थे; और

(घ) आगामी छः माहों के दौरान मूल्यों में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिये सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री मोहन संतोष देव) : (क) इस्पात के मूल्य समय-समय पर घटते-बढ़ते रहते हैं ।

(ख) पिछले दो वर्षों के दौरान स्टील अथारिटी आफ इंडिया लि० की प्रतिनिधि इस्पात की मदों के स्टाक यार्ड मूल्यों का ब्यौरा अनुलग्नक में दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट 168, अनुपत्र संख्या 63]

इस्पात के मूल्य में वृद्धियों का प्रभाव लघु उद्योग निगमों सहित उपभोक्ता उद्योगों पर भिन्न-भिन्न उद्योगों और भिन्न-भिन्न उत्पादों पर इस्पात के मूल्य पर निर्भर करते हुये उत्पाद की अंतिम लागत के रुप में घटता-बढ़ता रहता है ।

(ग) एकीकृत इस्पात संयंत्र समय-समय पर कोयले के मूल्य में संशोधन, रुपये के मूल्यों में समायोजन और विनियम दर में परिवर्तन, बिजली तथा पानी की